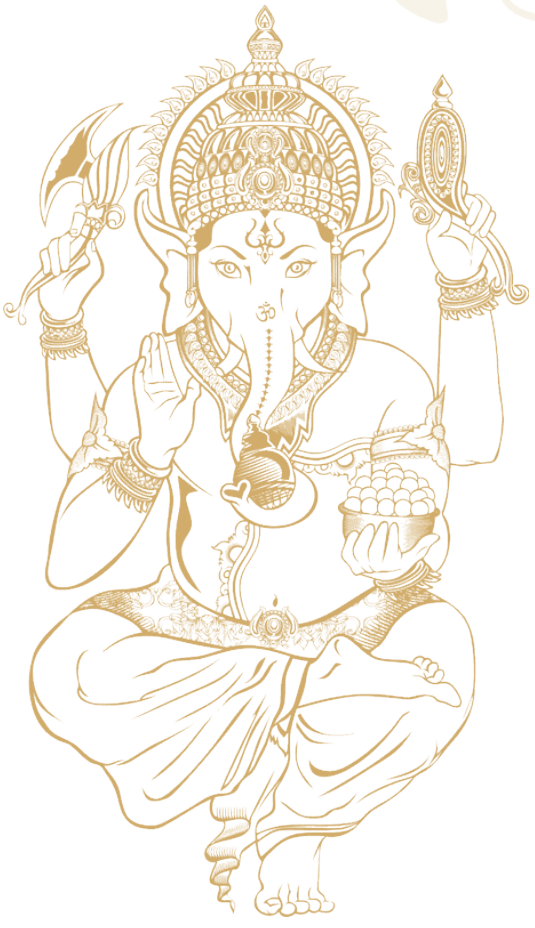

Anupam Purva

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121695301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121695301 Date: 23/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/09/1994	जन्म तिथि	21/04/1997
सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 09:55:00	जन्म समय	08:50:00 घंटे
घटी 09:35:00	जन्म समय(घटी)	07:39:53 घटी
India	देश	India
Bhind	स्थान	Gwalior
26:33:00 उत्तर	अक्षांश	26:12:00 उत्तर
78:47:00 पूर्व	रेखांश	78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:14:52	स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:04:59	सूर्योदय	05:48:57
18:07:15	सूर्यास्त	18:43:46
23:47:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:08

तुला	लग्न	वृष
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
वृष	राशि	कन्या
शुक्र	राशि-स्वामी	बुध
रोहिणी	नक्षत्र	हस्त
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
3	चरण	3
सिद्धि	योग	हर्षण
वणिज	करण	गर
वी-वीरसिंह	जन्म नामाक्षर	ण--
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष
वैश्य	वर्ण	वैश्य
चतुष्पाद	वश्य	मानव
सर्प	योनि	महिष
मनुष्य	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 3वर्ष 4मा 4दि		28:49:22	तुला	लग्न	वृष	26:31:45	चन्द्र 4वर्ष 3मा 4दि	
गुरु		09:04:25	कन्या	सूर्य	मेष	07:14:59	राहु	
30/01/2023		18:52:25	वृष	चंद्र	कन्या	17:39:00	26/07/2008	
30/01/2039		01:20:13	कर्क	मंगल व	सिंह	23:11:59	26/07/2026	
गुरु	19/03/2025	05:04:12	तुला	बुध व	मेष	14:05:36	राहु	08/04/2011
शनि	30/09/2027	20:21:23	तुला	गुरु	मक	24:24:57	गुरु	31/08/2013
बुध	05/01/2030	19:14:43	तुला	शुक्र	मेष	12:02:05	शनि	07/07/2016
केतु	12/12/2030	13:27:10	कुंभ व	शनि	मीन	19:03:43	बुध	25/01/2019
शुक्र	12/08/2033	21:45:27	तुला	राहु व	कन्या	04:42:51	केतु	12/02/2020
सूर्य	31/05/2034	21:45:27	मेष	केतु व	मीन	04:42:51	शुक्र	12/02/2023
चन्द्र	30/09/2035	28:36:56	धनु व	हर्ष	मक	14:39:12	सूर्य	07/01/2024
मंगल	05/09/2036	26:47:55	धनु व	नेप	मक	06:06:24	चन्द्र	07/07/2025
राहु	30/01/2039	02:12:59	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:16:55	मंगल	26/07/2026

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:13 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:08

लग्न-चलित

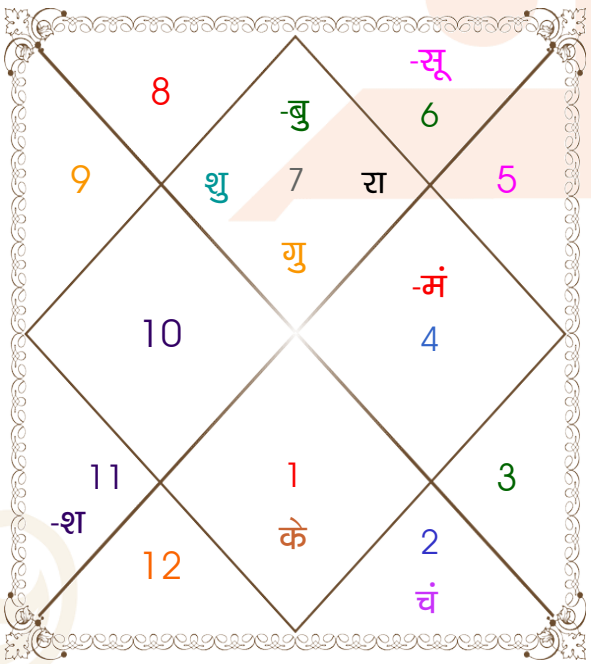

लग्न-चलित

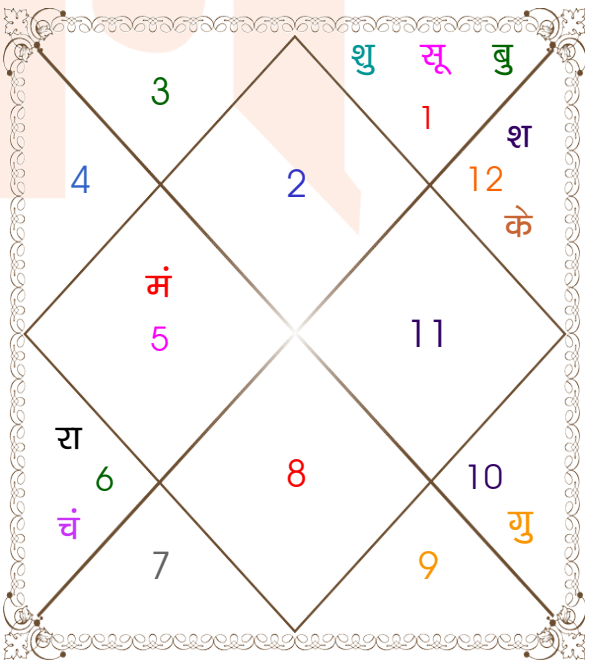

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

कुल : **25 / 36**

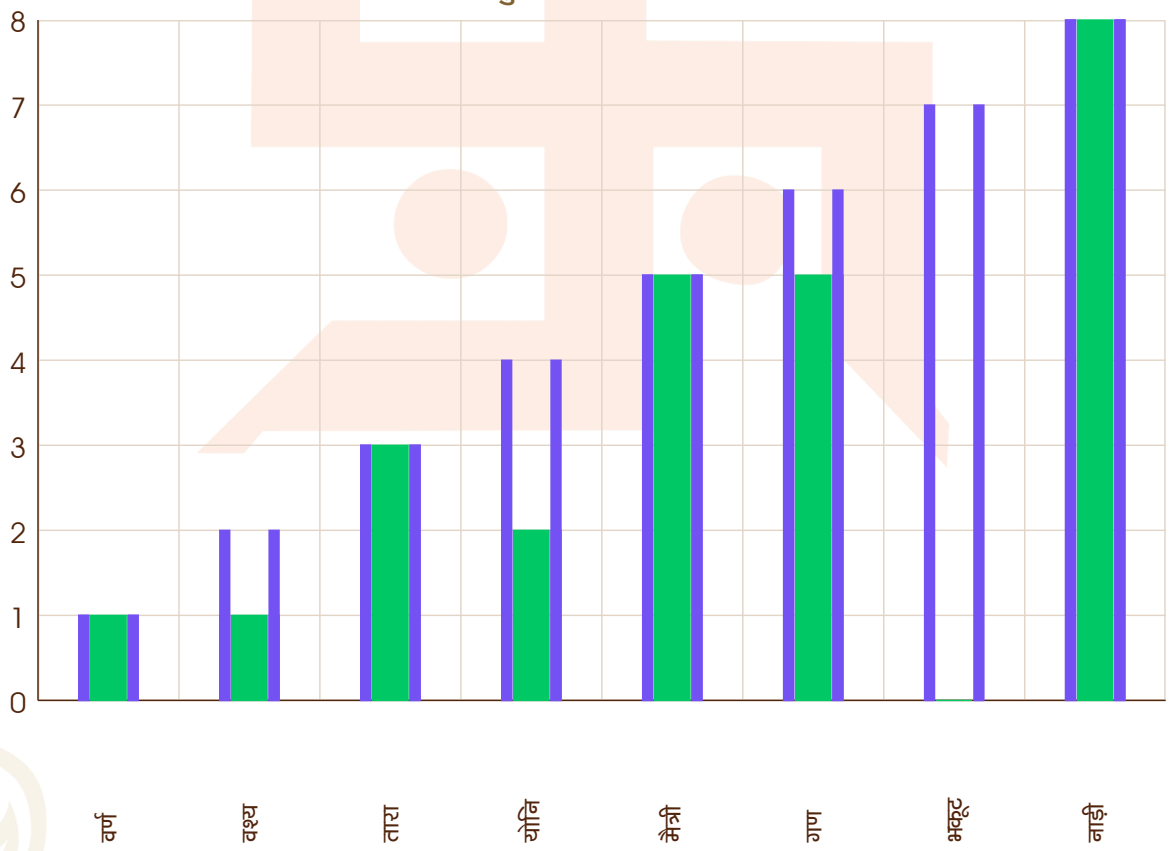

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

।दनचंउ का वर्ग मृग है तथा Purva का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।दनचंउ और Purva का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।दनचंउ मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Purva मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

।दनचंउ तथा Purva में मंगलीक मिलान ठीक नही है।

निष्कर्ष

मंगलीक दोष के कारण मिलान ठीक नहीं हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

।दनचंउ का वर्ण वैश्य है तथा Purva का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण ।दनचंउ और Purva दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। ।दनचंउ और Purva दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

।दनचंउ का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Purva का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार ।दनचंउ एवं Purva एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी Purva क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

।दनचंउ की तारा जन्म तथा Purva की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

।दनचंउ की योनि सर्प है तथा Purva की योनि महिष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता

है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ।दनचंउ एवं Purva दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि ।दनचंउ एवं Purva के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण ।दनचंउ एवं Purva जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

।दनचंउ का गण मनुष्य तथा Purva का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में Purva सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर ।दनचंउ व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण ।दनचंउ अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

।दनचंउ से Purva की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा Purva से ।दनचंउ की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण Purva को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

।दनचंउ की नाड़ी अन्त्य है तथा Purva की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। ।दनचंउ की अन्त्य नाड़ी तथा Purva की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

।दनचंउ की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त वृष राशि है तथा Purva की राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या है। नैसर्गिक रूप से पृथ्वी तत्व के दम्पतियों की आपस में स्वाभाविक समानता रहती है तथा जीवन में उचित सामंजस्य स्थापित करने में वे समर्थ रहते है जिससे उनका जीवन सुख एवं शांति से व्यतीत होता है।

।दनचंउ का राशि स्वामी शुक्र एवं Purva की राशि स्वामी बुध है। बुध और शुक्र परस्पर मित्र है फलतः ।दनचंउ और Purva के संबध मित्रता स्नेह एवं सहानुभूति से युक्त रहेंगे तथा दाम्पत्य जीवन की शुभता के लिए यह उत्तम स्थिति रहेगी। ।दनचंउ और Purva एक आदर्श प्रेमी होंगे तथा एक दूसरे के प्रति विश्वास एवं समर्पण की भावना होगी। इस प्रकार ।दनचंउ और Purva की स्वाभाविक तथा मानसिक समानता की प्रवृति से उनका दाम्पत्य जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

।दनचंउ और Purva की राशियां परस्पर पंचम एवं नवम भाव में पड़ती है। यह भकूट दोष के अंतर्गत माना जाता है। इसके प्रभाव से यदा कदा दाम्पत्य जीवन में अशांति का भाव उत्पन्न होगा तथा स्वाभिमानी प्रवृति होने के कारण ये लोग परस्पर मधुरता के भाव में न्यूनता करेंगे। उनके अनावश्यक वाद विवादों पर भी मन मुटाव होंगे। अतः यदि ये ऐसे अवसरों की उपेक्षा कर सकें तो इनका दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत हो सकता है।

।दनचंउ का वश्य चतुष्पद एवं Purva का वश्य मानव है। नैसर्गिक रूप से इन वश्यों की परस्पर शत्रुता रहती है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर विषमता रहेगी तथा काम संबधों में भी एक दूसरे को आप अल्प मात्रा में ही प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करेंगे। यदि ।दनचंउ ऐसे सुखद क्षणों में अपनी हास्य प्रवृति का त्याग करें तो इसमें किंचित अनुकूलता हो सकती है।

आप दोनों का वर्ण वैश्य है। अतः ।दनचंउ और Purva दोनों की कार्य क्षमता समान रहेगी तथा एक ही प्रकार के कार्यो को करने में रूचि रहेगी। धनार्जन में इनकी प्रवृति होगी एवं व्यापारिक बुद्धि से कार्यो को सम्पन्न करके अपने लाभ मार्ग प्रशस्त करने में तत्पर रहेंगे।

धन

।दनचंउ और Purva का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रश्स्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से ।दनचंउ और Purva सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

।दनचंउ को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

।दनचंउ का जन्म अन्त्य तथा Purva का जन्म आद्य नाड़ी में हुआ है। अतः स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। परन्तु मंगल का दुष्प्रभाव ।दनचंउ को समय समय पर न्यूनाधिक रूप से होता रहेगा। इसके प्रभाव से ।दनचंउ हृदय संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं रक्त तथा पित संबंधी रोगों से भी पर कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही धातु या मूत्र रोग संबंधी परेशानी की भी संभावना होगी। अतः इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए ।दनचंउ को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए। इससे उपरोकत अशुभ प्रभावों में कमी होगी तथा शुभ प्रभावों की प्राप्ति करने में समर्थ रहेंगे।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से ।दनचंउ और Purva का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Purva के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Purva को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

।दनचंउ और Purva बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः ।दनचंउ और Purva का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Purva के अपने सास से संबध सामान्य ही रहेंगे तथा विशिष्ट मधुरता के भाव की समय समय पर न्यूनता का आभास होगा परन्तु आपसी सामंजस्य से किंचित अनुकूलता इसमें

बनाए रखने में दोनों समर्थ रहेंगे। यदा कदा इनके मध्य मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होगा परन्तु यह क्षणिक होगा एवं गंभीर नहीं होगा। साथ ही Purva सास को अपने माता के समान सेवा तथा सम्मान प्रदान करेंगी।

अपने विनम्र स्वभाव सामंजस्य की प्रवृति तथा सेवा भाव के कारण ससुर की प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में तनाव रहेगा तथा आपस में आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु यदि Purva किंचित धैर्य एवं सामंजस्य से कार्य ले तो इनसे संबधों में मधुरता उत्पन्न हो सकती है तथा वे भी Purva को यथोचित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

इस प्रकार सास ससुर का दृष्टि कोण Purva के प्रति सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं परिवार के सदस्य के रूप में वे उसे स्वीकार करेंगे ।

ससुराल-श्री

।दनचंउ के अपने सास ससुर से संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद बने रहेंगे जिसका मुख्य कारण इन के मध्य आयु का अधिक अंतर रहेगा। इससे इनके मध्य सैद्धांतिक तथा वैचारिक मतभेद सामान्य रूप से विद्यमान रहेंगे। लेकिन यदि ।दनचंउ तथा उनके सास ससुर परस्पर सामंजस्य को स्थापित करके व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों तथा समस्याओं में काफी न्यूनता हो सकती है।

साथ ही साले एवं सालियों से भी कई क्षेत्रों में असहमति रहेगी तथा संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपस में स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की न्यूनता रहेगी। अतः इन्हें चाहिए कि बुद्धिमता एवं सामंजस्य युक्त प्रवृति से मतभेदों तथा समस्याओं का समाधान करें तथा मित्रता का भाव भी रखें। इससे उपरोक्त मतभेदों में अल्पता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि भी होगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से ।दनचंउ के ससुराल वालों का दृष्टिकोण उनके प्रति अपेक्षित नहीं रहेगा। अतः उन्हें चाहिए कि दामाद के प्रति अपने दृष्टिकोण को विनम्र तथा सहयोग के भाव से युक्त बनाएं।